MAHD-06

December - Examination 2025
M.A. (Final) Examination
हिन्दी साहित्य
(कथा साहित्य)
Paper : MAHD-06

[*Time: 3 Hours*] [*Maximum Marks: 80*]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए –
   (i) आंचलिक उपन्यासों की प्रमुख दो प्रवृत्तियाँ लिखिए।
   (ii) किन्हीं तीन समकालीन महिला कथाकारों के नाम लिखिए।
   (iii) 'समय सरगम' उपन्यास के प्रमुख नारी पात्रों के नाम लिखिए।
   (iv) 'जिन्दगी और जोंक' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।
   (v) 'सिक्का बदल गया' कहानी का उद्देश्य लिखिए।
   (vi) 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास के प्रमुख पात्रों का उल्लेख कीजिए।
   (vii) 'मेरा दुश्मन' कहानी में पत्नी का चरित्र सबसे आकर्षक है – क्यों?
   (viii) 'मधुआ' कहानी प्रसाद के किस संग्रह में संकलित है?

खण्ड–'ब' **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

   सुनन्दा जहाँ थीं, वहाँ है। वह रोटी बना चुकी है। अँगीठी के कोयले उल्टे तवे से दबे हैं। माथे को उँगलियों पर टिकाकर वह बैठी है। बैठी–बैठी सूनी–सी देख रही है। सुन रही है कि उसके पति कालिन्दीचरण अपने मित्रों के साथ क्यों और क्या बातें कर रहें हैं। उसे जोश का कारण समझ में नहीं आता। उत्साह उसके लिए अपरिचित है। वह उसके लिए दूर की वस्तु है, स्पृहणीय और मनोरम और हरियाली। यह भारतमाता की स्वतंत्रता को समझना चाहती है; पर उसको न भारतमाता समझ में आती, न स्वतंत्रता।

3. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
शराबी एक क्षण भर चुप रहा। फिर चुपचाप जलपान करने लगा। मन–ही–मन सोच रहा था – यह भाग्य का संकेत नहीं, तो और क्या है। चलूँ फिर सान देने का काम चलता करूँ। दोनों का पेट भरेगा। वही पुराना चरखा फिर सिर पड़ा। नहीं तो, दो बातें किस्सा–कहानी इधर–उधर की कहकर अपना काम चला ही लेता था। पर अब तो बिना कुछ किए घर नहीं चलने का। जल पीकर बोला – क्यों रे मधुआ, अब तू कहाँ जायेगा?

4. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
शेरा कब का लोट गया उसे कुछ पता नहीं, दुर्बल–सी देह और अकेली, बिना किसी सहारे के न जाने कब तक वहीं पड़ी रही शाहनी। दुपहर आयी और चली गयी। हवेली खुली पड़ी है। आज शाहनी नहीं उठ पा रही है। जैसे उसका अधिकार आज स्वयं ही उससे छूट रहा है। शाहनी के घर की मालकिन.... लेकिन आज मोह नहीं हट रहा है मानो पत्थर हो गयी हो।

5. नयी कहानी की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
6. सिद्ध कीजिए कि ज्ञान रंजन की 'पिता' कहानी में दो पीढ़ियों के अन्तर का संघर्ष है।
7. हिन्दी कहानी के उद्‌भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।
8. अमरकांत वर्मा द्वारा लिखित 'जिन्दगी और जोंक' में प्रस्तुत यथार्थ का विवेचन कीजिए।
9. 'समय सरगम' उपन्यास के शिल्प विधान का विवेचन कीजिए।

खण्ड–'स' **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **16** अंक का है।

10. 'होरी एक बहुत जाना–पहचाना भारतीय किसान है।'' इस कथन के आधार पर होरी के चरित्र की विशेषताएं बताइए।
11. अज्ञेय ने 'शेखर : एक जीवनी' उपन्यास में शेखर के रूप में एक अत्यंत प्रभावशाली, महत्त्वपूर्ण एवं असाधारण व्यक्ति को चित्रित किया है। इस कथन के आलोक में शेखर की चारित्रिक विशेषताएं लिखिए।
12. राजेन्द्र यादव द्वारा लिखित 'टूटना' कहानी की संवेदना एवं शिल्पगत वैशिष्टय पर प्रकाश डालिए।
13. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –
    (क) ऐतिहासिक उपन्यास
    (ख) कहानी का स्वरूप
    (ग) 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी का सारांश
    (घ) 'महाराजा का इलाज' कहानी की मूल संवेदना